

CHAPTER-7

थाथू और मैं

(EXERCISE-7.1)

1-mark

1. दिवाकर की आयु क्या है और वह किसे सीखने की इच्छा रखता है?

उत्तर: दिवाकर पाँच वर्ष का है और उसे गणित सीखने की बहुत इच्छा है।

2. मीना ने दिवाकर को कौन-कौन सी गणितीय क्रियाएँ सिखाईं?

उत्तर: मीना ने दिवाकर को संख्याओं को जोड़ना सिखाया।

3. कूल्फ़ी बनाने के लिए कौन-कौन सी चीजें चाहिए थीं?

उत्तर: कूल्फ़ी बनाने के लिए बर्फ़, दूध, नमक, चीनी, पिस्ते, बदाम, और तिकोने चाहिए थे।

4. दादाजी ने कूल्फ़ी कब बनाने का आदेश दिया था?

उत्तर: दादाजी ने आज कूल्फ़ी बनाने का आदेश दिया था।

5. दिवाकर ने कूल्फ़ी को बनाने के लिए कितनी बार प्रतीक्षा की?

उत्तर: दिवाकर ने 5 बजे कूल्फ़ी बनाने की प्रतीक्षा की और वह दादाजी के पास कई बार जाकर पूछता रहा कि कब तक बनेगी।

(EXERCISE-7.2)

2-mark

1. दिवाकर कौन है और उसकी आयु कितनी है?

उत्तर: दिवाकर पाँच वर्षका नटखट लड़का है।

2. दिवाकर के द्वारा कौन-कौन से शैली सीखने की इच्छा है?

उत्तर: दिवाकर को गणित सीखने की बहुत इच्छा है।

3. मीना दिवाकर को कौन-कौन सी गणितीय क्रियाएँ सिखाती है?

उत्तर: मीना दिवाकर को संख्याओं को जोड़ना सिखाती है।

4. दिवाकर ने गणित सीखने के लिए कैसे प्रयास किया?

उत्तर: दिवाकर ने ध्यान से गणित सीखने के लिए प्रयास किया और उसने अपनी बड़ी बहिन मीना के साथ संख्याओं को जोड़ना सीखा।

5. दादाजी ने कब कूल्फ़ी बनाने का आदेश दिया था और इसे बनाने के लिए कौन-कौन सी चीजें चाहिए थीं?

उत्तर: दादाजी ने आज कूल्फ़ी बनाने का आदेश दिया था। इसे बनाने के लिए बर्फ़, दूध, नमक, चीनी, पिस्ते, बदाम, और तिकोने चाहिए थे।

6. दिवाकर ने कब कूल्फ़ी बनाने के लिए प्रतीक्षा की और कैसे?

उत्तर: दिवाकर ने 5 बजे कूल्फ़ी बनाने की प्रतीक्षा की और वह दादाजी के पास कई बार जाकर पूछता रहा कि कब तक बनेगी।

7. कूल्फ़ी को बनाने के लिए दादाजी ने कैसी प्रक्रिया अपनाई?

उत्तर: दादाजी ने कूल्फ़ी बनाने के लिए सभी सामग्रीयों को मिलाकर मिश्रित किया और तिकोनों में डालकर कूल्फ़ी तैयार की।

(EXERCISE-7.3)

4-mark

1. दिवाकर की चरित्रिक विशेषताएँ और उसकी रूचियाँ क्या हैं?

उत्तर: दिवाकर पाँच वर्ष का नटखट लड़का है जो सारे दिन ठिठोली करता है और सबको हँसाता है। उसकी रूचियाँ गणित में हैं और उसे सीखने की बहुत इच्छा है।

2. मीना द्वारा दिवाकर को सिखाई जाने वाली गणितीय क्रियाएँ क्या हैं और इसका क्या महत्व है?

उत्तर: मीना ने दिवाकर को संख्याओं को जोड़ना सिखाया है, जो गणितीय अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इससे दिवाकर गणित की आधारभूत नए अंशों को सीखता है।

3. कूल्फ़ी बनाने की प्रक्रिया में शामिल चीजें और उनका उपयोग कैसे हुआ?

उत्तर: कूल्फ़ी बनाने के लिए बर्फ़, दूध, नमक, चीनी, पिस्ते, बदाम, और तिकोने चाहिए थे। इन चीजों का उपयोग कूल्फ़ी को स्वादिष्ट और आकर्षक बनाने के लिए हुआ।

4. कूल्फ़ी बनाने की प्रक्रिया में दिवाकर की उत्सुकता और उसकी प्रतीक्षा का मूल्यांकन कैसे हुआ?

उत्तर: दिवाकर ने कूल्फ़ी की प्रतीक्षा में अपनी बच्चों की भावनाओं को अच्छी तरह से समझा और उसकी उत्सुकता को व्यक्त किया। उसने प्रतीक्षा की अपनी भूमिका में सामंजस्य बनाए रखा और धैर्यपूर्वक कूल्फ़ी की प्रतीक्षा की।

5. दादाजी ने दिवाकर की सोची बच्चों की तरह प्रतीक्षा के लिए मजाक क्यों उड़ाया?

उत्तर: दादाजी ने दिवाकर की सोची बच्चों की तरह प्रतीक्षा के लिए मजाक उड़ाया ताकि वह धैर्य और समर्थन से इंतजार कर सके। इससे दादाजी ने दिवाकर की मस्तीभरी भावना को समझा और उसे संतुष्ट किया।

6. इस कहानी में शिक्षाएँ और सीखें कौन-कौन सी हैं?

उत्तर: इस कहानी से हमें धैर्य, उत्सुकता, और गणित के महत्व की सीख मिलती है। दादाजी ने दिवाकर की उत्सुकता को मजाक में उड़ाते हुए भी उसके धैर्य को समझा और उसे अच्छी तरह से सिखाने में सहायता की।

(EXERCISE-7.4)

थाथू और मैं

सारांश

दिवाकर एक पाँच वर्षीय बच्चा है जो सबको हँसाने में रुचि रखता है और गणित को सीखने की बहुत इच्छा है। उसकी बड़ी बहिन मीना उसे संख्याओं को जोड़ना सिखाती है और इसमें उसकी रुचि बढ़ती है। दादाजी ने कूल्फ़ी बनाने का आदान-प्रदान किया है, और दिवाकर को इसके बनाने में अच्छा लगता है। कहानी में दिखाया गया है कि कैसे दादाजी ने दिवाकर की मस्तीभरी भावना को समझा, उसकी प्रतीक्षा को मजाक में उड़ाया, और उसे गणित के महत्व की सीख दी। कहानी से हमें धैर्य और उत्सुकता के महत्व का सामाजिक संदेश मिलता है।